तापमान
अधिकतम 23 .5 डिग्री
न्यूनतम 9 .8 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 9 फरवरी 2025

12 दिल्ली में भाजपा की जीत पर खूब थिरके कार्यकर्ता

12 कौशल के लिए नई आधुनिक शैली से शिक्षकों को किया दक्ष

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक की मौत

पानीपत। जीटी रोड पर बेटे साथ रोड क्रॉस कर रहे पिता को एक तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से घायल को सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विशाल ने बताया कि वह गांव मलिकपुर, घरौंडा जिला करनाल का रहने वाला है। वह पेशे से ड्राइवर है। 7 फ रवरी की रात करीब 9 बजे वह सागर ढाबे पर खाना खाने के लिए रोड क्रॉस कर रहा था। उसके साथ पिता मंदीप भी था। इसी दौरान दिल्ली की ओर से एक बाइक चालक आया। जिसने सीधी टक्कर उसके पिता को मारी टक्कर लगते ही पिता सडक़ पर गिरने से गहरी चोट लग गई। वहीं सिविल अस्पताल में डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मां-बेटे को बेहोश कर सोने की चेन ले गए

करनाल। बुढनपुर आबाद में दो ठग एक घर में पंडित के भेष में घुस गए और घर में मां बेटे को बेहोश कर दिया और महिला के गले से ढाई तोले सोने की चेन लेकर भाग गए। सदर थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी कैमरे में आरोपी कैद हो चुके हैं।

शिकायत में बुढनपुर आबाद निवासी सुरेंद्र ने बताया कि सात फरवरी को साढ़े 12 बजे दो पंडित उसके घर आए। उन्होंने भिक्षा मांगी तो उन्हें भिक्षा दे दी। इसके बाद वह चाय मांगने लगे तो उन्हें चाय भी पिला दी। इसके बाद उन्होंने पानी का गिलास मांगा। फिर उसी पानी का छिड़काव उनके उपर कर दिया। घर में वह और उसकी माता थी। इसके बाद उन्हें कुछ पता नहीं चला।

तरावड़ी के चावल एक्सपोर्टर्स व चावल व्यापारी दुबई पहुंचेंगे

दुबई गल्फ फूड मेले में तरावड़ी के चावलों की महक बिखरेगी

- 17 से 21 फरवरी तक आयोजित होगा दुबई में गल्फ फूड मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

हर साल की तरह इस साल भी दुबई में आयोजित होने वाले गल्फ फूड मेले में फिर से तरावड़ी के चावलों की महक बिखेरगी। इसके लिए तरावड़ी शहर के चावल एक्सपोर्टर्स व चावल व्यापारी दुबई पहुंचेगें। वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर दुबई में सोमवार 17 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित होने वाले गल्फ फूड मेले में तरावड़ी के अधिकतर चावल व्यापारी स्टॉल लगाऐंगे।

काबिलेगौर है कि दुनिया के कई देशों के लोगों को तरावड़ी के बासमती चावलों की सुगंध खूब भाती है। जिसका अंदाजा दुबई में लगे गल्फ फूड मेले में देखने को मिलता है। विदेशों से पहुंचने वाले लोग अक्सर हरियाणा के तरावड़ी शहर में तैयार हुए चावलों को खूब पसंद करते हैं। यह मेला दुबई में सोमवार 17 फरवरी से शुरू होगा और 21 फरवरी तक इसमें तरावड़ी के चावल एक्सपोर्टर व व्यापारी स्टॉल लगाऐंगे। शहर के चावल व्यापारियों का कहना है कि ऐतिहासिक शहर तरावड़ी के चावलों की महक कई देशों की थाली में बिखरती है। तरावड़ी शहर बासमती चावलों की नगरी के नाम से मशहूर है, जिसमें विश्व भर में पहचान भी बनाई हुई है। गोयल इंटरनैशनल प्रा.लि. के सी.एम.डी. विजय गोयल, डबल चाबी बासमती राईस के सी.एम.डी. बृजभूषण गोयल, शिव शक्ति इंटर ग्लोब प्रा.लि. के सी.एम.डी. अमन गुप्ता ने कहा कि दुबई में गल्फ फूड मेले में तरावड़ी के चावलों के स्टॉल खूब विदेशी मेहमानों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। तरावड़ी के चावल उद्योगपत्तियो द्वारा तैयार किया गया चावल अरब देशों में निर्यात होता है। तरावड़ी शहर के लगभग सभी राइस मिलों में आधुनिक मशीनें लगी हुई है, जिससे तैयार होकर चावल विदेशों में बिकने के लिए जाता है। राईस मिलर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश बंसल, एस.एस. राईस यूनिट के सी.एम.डी. राकेश हंस एवं 521 फूड प्रोडक्ट तरावड़ी के सी.एम.डी. पंकज गोयल ने बताया कि जब हरियाणा की बात आती है तो जिले करनाल के तरावड़ी के चावल को अधिक पसंद किया जाता है। उन्होंने बताया कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय चावल विशेषकर बासमती को गल्फ देशों में काफी पसंद किया जाता है। दुबई में हर साल लगने वाले गल्फ फूड मेले की भी तरावड़ी के चावलों के लगे स्टॉलों की खास भूमिका होती है। इसमें हरियाणा के करनाल जिले के तरावड़ी के चावल निर्यातकों की संख्या अच्छी खासी रहती है, जो अपने स्टालों पर बासमती बिरयानी का स्वाद विदेशी मेहमानों को चखाते हैं। गौरतलब है कि जिले में सर्वाधिक बासमती चावल का निर्यात तरावड़ी से ही होता है। विदेशों में भी तरावड़ी वाली बासमती की विशेष मांग रही है। उद्योगपत्ति विनोद गोयल, बृजभूषण गोयल, अमन गुप्ता, प्रवीण गर्ग, नरेश बंसल, राकेश हंस एवं पंकज गोयल, राजीव नारंग ने बताया कि दुबई के आयोजित होने वाले गल्फ फूड मेले से दुनिया के कई देशों में तरावड़ी के चावलों की सुगंध बिखरती हैं। हर वर्ष दुबई में बड़ा बाजार लगता है, जिसमें पूरे विश्व के फूड प्रोडक्ट निर्माताओं को अपने-अपने सामान के स्टॉल लगाने का अवसर मिलता है।

तरावड़ी के चावल सर्वाधिक पसंद

बी.डी. ओवरसीस तरावड़ी के सी.एम.डी. प्रवीण गर्ग, जी.वी. राईस एक्सपोर्ट प्रा. लि. के सी.एम.डी. विनित बंसल एवं भारत इंडस्ट्रीयल प्रा. लि. के सी.एम.डी. नाथीराम गुप्ता, जानकी दास राईस मिल के दविन्द्र सिंगला ने बताया कि दुबई देश हर वर्ष पूरे विश्व के उन सभी व्यापारियों को अपने स्टाल लगाने के लिए आमंत्रित करता है जो खाद्य वस्तुओं से जुड़ी सामग्री तैयार करते हैं। चावलों को आर्कषण पैकिंग व सुंदरता के साथ वहां रखा जाता है ताकि विदेशों से आने वाला व्यापारी इस शहर की आधुनिक मशीनों से तैयार किए गए चावल को पसंद कर सके। दुबई में जितने भी चावलों के स्टाल लगते हैं उनमें हरियाणा के चावल को अधिक पसंद किया जाता है, जिसमें सबसे ज्यादा तरावड़ी के चावल शामिल हैं।

असला सप्लायर को राणा माजरा गांव के अड्डे से किया गिरफ्तार

- पहले से गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ पर पकड़ा सप्लायर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

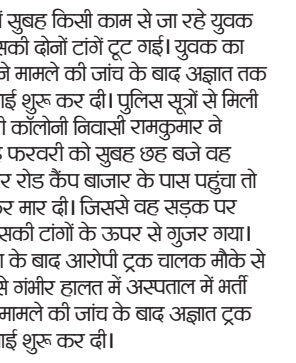

पानीपत। गिरफ्तार असला सप्लायर पुलिस टीम के साथ।

पानीपत सीआईए श्री पुलिस टीम ने अवैध असला सप्लाई करने वाले आरोपी को राणा माजरा गांव के अड्डा से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान परवेज निवासी राणा माजरा के रूप में हुई। सीआईए श्री प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि उनकी टीम ने बीती 31 जनवरी को सनौली रोड झांबा मोड़ पर आरोपी सादिक उर्फ गांधी निवासी खानपुर गुर्जर सहारनपुर यूपी को दो अवैध देसी पिस्तौल व दो जिंदा रौंद समेत गिरफ्तार किया था। आरोपी सादिक उर्फ गांधी ने उक्त देसी पिस्तौल व जिंदा रौंद राणा माजरा निवासी परवेज से 15 हजार में खरीदकर लाने बारे स्वीकारा था। थाना सनौली में आम्र्स एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर पुलिस ने आरोपी सादिक उर्फ गांधी को पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया था और असला सप्लायर परवेज की धरपकड़ के प्रयास शुरू कर दिए थे। प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया की सीआईए श्री पुलिस टीम ने आरोपी परवेज को शुक्रवार देर शाम राणा माजरा गांव के अड्डा से गिरफ्तार किया।

आरोपी परवेज ने आरोपी सादिक उर्फ गांधी को दो देसी पिस्तौल व दो जिंदा बेचने बारे स्वीकारा। आरोपी परवेज ने पूछताछ में पुलिस को बताया वह उक्त देसी पिस्तौल व जिंदा रौंद जनवरी महीने में रूडक़ी हरिद्वार में मिले रिजवान नाम के युवक से 10 हजार रूपए में खरीदकर लाया था। वह रिजवान का पता नही जानता। पुलिस ने शनिवार को पूछताछ के बाद आरोपी परवेज को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया।

सड़क हादसों में बाइक सवार दो लोगों की मौत

करनाल। जिले में अलग अलग सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। दोनों ही बाइक पर सवार थे। पहले मामले में सेक्टर 6 निवासी नरेश कुमार ने बताया कि 8 फरवरी की रात करीब एक बजे उसका भतीजा मनन मेहता बाइक पर सवार होकर अमृतधारा अस्पताल से होकर सेक्टर 13 के रास्ते से अपने घर सेक्टर 6 में आ रहा था।

जब वह सेक्टर 6 बाईपास को पार कर रहा था तो एक अज्ञात वाहन ने निर्मल कुटिया चौक से सर्विस लाइन पर देवीलाल चौक की तरफ जा रहा था। इस दौरान उस वाहन चालक ने मनन को टक्कर मार दी। जिससे मनन गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे अस्पताल में दाखिल कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरे मामले में रसुलपुर कलां गांव निवासी संजय कुमार ने बताया कि सात फरवरी को शाम साढ़े सात बजे गांव चुंडीपुर रोड पर रोजाना की तरह खाना खाकर वह सैर कर रहा था। तो कुछ दूरी पर उसका भाई राजेंद्र बाइक पर सवार होकर चुंडीपुर आ रहा था। इस दौरान सामने से आ रहे ट्रैक्टर ट्राली चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट लगी है। ट्रैक्टर ट्राली चालक मौके से भाग गया। ट्रैक्टर ट्राली को मौके पर ही छोड़ गया। जब वह घायल भाई को अस्पताल लेकर गए तो वहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

शादी में गहनों से भरा बैग लेकर युवक फरार

करनाल। कैथल रोड स्थित होटल में शादी समारोह के दौरान गहनों से भरा बैग चोरी हो गया। बैग को नाबालिग सहित दो युवक चोरी कर ले गए। सीसीटीवी कैमरे में दो युवक बैग को चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। शिकायत में कैथल के सजुमा गांव निवासी अजय ने बताया कि 6 फरवरी को उसकी बेटी की शादी थी। शादी का कार्यक्रम करनाल में कैथल रोड स्थित राज घराना होटल में था। शादी समारोह में स्टेज पर जयमाला का कार्यक्रम हो रहा था तो स्टेज के ऊपर से उनका गहनों से भरा बैग चोरी हो गया। बैग में साढ़े नौ तोला सोने के गहने थे और आधा किलोग्राम चांदी के गहने थे जो करीब आठ लाख रुपये के थे। जब उन्होंने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो पता चला चोरी करने वाले दो लड़के थे। गहनों से भरा बैग उठाकर भागने वाले लड़के की उम्र करीब 16 वर्ष है और रेकी करने वाले लड़के की उम्र करीब 23 साल है।

ट्रक की टक्कर से युवक की टांगें टूटी

यमुनानगर। शहर के रादौर रोड कैंप में सुबह किसी काम से जा रहे युवक पर चालक ने ट्रक चढ़ा दिया। जिससे उसकी दोनों टांगें टूट गई। युवक का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात तक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहर की मायापुरी कॉलोनी निवासी रामकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि छह फरवरी को सुबह छह बजे वह किसी काम से जा रहा था। जब वह रादौर रोड कैंप बाजार के पास पहुंचा तो तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसकी टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क पर गिर गया। इसके बाद ट्रक का पहिया उसकी टांगों के ऊपर से गुजर गया। जिससे उसकी दोनों टांगें टूट गई। घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया । पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच के बाद अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

NATIONAL PUBLIC SCHOOL

(Affiliated to C.B.S.E. New Delhi) (10+2)

DELHI ROAD, YAMUNA NAGAR - 135 001 (HARYANA) • Website: www.nationalschool.edu.in

WORLD CLASS INFRASTRUCTURE

2025-26 ADMISSION OPEN

NURSERY TO XII

•MEDICAL •NON-MEDICAL •COMMERCE •HUMANITIES

SALIENT FEATURES : • Smart Class • Skating Rink • Rich Alumni Base • Music Room • Dispensary • Sports • Dance Room • Computer Labs • Science Labs • Transport Facilities • Well Stocked Library • Maths & English Lab • Shooting Range • Clean & Green Play Ground • Yoga & Meditation • Self Defence Classes • Co-curricular Activities • Co-educational English Medium • Air Conditioned Pre Primary Wing • Plethora of Activities For Kids' Zone • Qualified & Dedicated Staff • Interactive And Activity Based Learning

Digital Classrooms

Chess

Cultural Activities

Self Defence Classes

NPS was awarded by Hon'ble Cabinet Minister (PWD), Govt. of Haryana Sh. Ranbir Singh Gangwa in the esteemed presence of Deputy Commissioner & SP Yamuna Nagar.

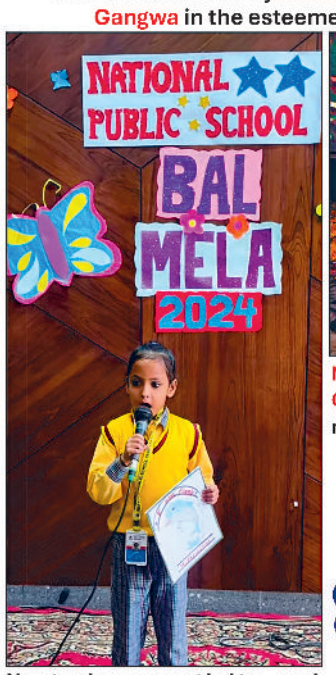

Nurturing creativity and imagination at the "Bal Mela" organized by National Kids' Zone

NPS Chairman Sh. R.S. Pundir and Hon'ble Aditi Singh IRS, Joint Commissioner (Income Tax), Chandigarh presented Brand new laptop to meritorious Student Satakshi.

Hurry Up Limited Seats

Register Now

Scan this QR Code for Registration

NPS Chairman Sh. R.S Pundir awarded students a cash prize of ₹1,00,000/- for excellent performance in the school's National Junior IAS/ Doctor/Engineer exams.

SHAPING YOUNG MINDS

93552 00001, 93552 25726

खबर संक्षेप

पीएनबी होम लोन एक्सपो 2025 सफलतापूर्वक संपन्न

करनाल। पंजाब नेशनल बैंक, करनाल मंडल द्वारा आयोजित पीएनबी होम लोन एक्सपो 2025 का दूसरा और अंतिम दिन 8 फरवरी 2025 को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर, बैंक के उत्पादों के प्रचार और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक वॉकेथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एक्सपो के दूसरे दिन का शुभारंभ पंजाब नेशनल बैंक के प्रधान कार्यालय एवं अंचल कार्यालय से आए वरिष्ठ अधिकारियों और विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

आय का कुछ हिस्सा समाज सेवा पर खर्च करें

तरावड़ी। श्री हंस राइस एंड जनरल मिल्स तरावड़ी के सीएमडी प्रदीप गुप्ता ने स्कूल मे गेट के निर्माण के लिये एक लाख देकर कार्य का शुभारंभ किया। प्रदीप गुप्ता का कहना है कि शास्त्रों में कहा गया है कि अपनी आय का कुछ हिस्सा समाज सेवा पर खर्च जरूर करना चाहिए। इससे घर और व्यापार दोनों में बरकत होती है। श्री हंस राईस मिल के संस्थापक स्वः लाला खुशी राम गुप्ता के पदचिन्हों पर चलकर उनके सुपुत्र प्रदीप गुप्ता ने लगातार सरकारी स्कूल में सहायता राशि देकर दूसरों के लिए मिसाल भी बना रहे हैं।

खाटू श्याम मंदिर में जया एकादशी पर कीर्तन का आयोजन किया गया

करनाल। शहर की पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में जया एकादशी बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई। एकादशी पर मंदिर व बाबा श्याम के स्वरूप को फूलों से सजाया और महकाया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। एकादशी के उपलक्ष्य में मंदिर में कीर्तन का आयोजन भी किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर कीर्तन का आनंद उठाया। कीर्तन के दौरान हुए गुणगान के माध्यम से श्रद्धालुओं को जया एकादशी महत्व बताया गया। मंदिर कमेटी द्वारा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

जलेबी और लड्डू बांटकर मनाई दिल्ली में जीत की खुशी

दिल्ली विधानसभा में भाजपा की जीत केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का परिणाम : मनोहर लाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

केंद्रीय उर्जा ,आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने आज दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत की खुशी में भाजपा जिला कार्यालय कर्ण कमल में पंहुच कर सभी कार्यकर्ताओं का लड्डू व जलेबी से मुंह मीठा कराया

उन्होंने दिल्ली में मिली इस प्रचंड का श्रेय केंद्र सरकार की नीतियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं को देते हुए कहा पिछले 11 सालों में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को झूठे वायदे कर के बहकाने का काम किया है। उन्होंने कहा केजरीवाल दिल्ली के लोगों को झूठ बोलते रहे और माफी भी मांगते रहे उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने भाजपा की नीतियों पर विश्वास करते हुए उन्हें दो तिहाई बहुमत से विजय दिलाने का किया है।उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव में इतना प्रचंड बहुमत 26 साल के बाद भाजपा को मिला है, यह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकासात्मक परियोजनाओं का परिणाम है। दिल्ली की जनता ने इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को समझा है। इस अवसर पर दिल्ली में भाजपा की जीत पर जलेबी व लड्डू बांटे गए। इस दौरान भाजपा कार्यकारी जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता,जिला प्रभारी भारत भूषण जुआल, निवर्तमान मेयर रेणु बाला गुप्ता, जिला महामंत्री सुनील गोयल, सांसद प्रतिनिधि कविन्द्र राणा,पूर्व उद्योग मंत्री शशि पाल मैहता,वरिष्ठ भाजपा नेता मेहर सिंह कलामपुरा, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर कृष्ण गर्ग, जिला मीडिया प्रभारी डा अशोक कुमार,पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर राजेश अघी कर्ण मंडल अध्यक्ष नवीन बत्रा, शहरी मंडल अध्यक्ष मोहन लोधी, राम नगर मंडल अध्यक्ष मोहित सचदेवा आदि मौजूद रहे।

दिल्ली में प्रचंड जीत भाजपा की विकासशील नीतियों की जीत है : शिव नाथ कपूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

करनाल। भाजपा की जीत की खुशी मे मुंह मीठा कराते भाजपा नेता शिवनाथ कपूर व अन्य।

दिल्ली में आप नाम की आपदा की विदाई तथा भाजपा के प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटने से आप पार्टी की झूठ की राजनीति का अंत है।आज यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा नेता शिव नाथ कपूर ने दिल्ली की जनता के उक्त निर्णय को सर्वप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकासशील नीतियों की जीत बताते हुए विकसित भारत के सपने को साकार करने में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

दिल्ली के लोगों ने जो भाजपा में विश्वास जताया है पार्टी उस पर खरा उतरेगी।।भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे मुंह मीठा करवा खुशी जताते हुए कहा कि दिल्ली विजय एक प्रकार से भाजपा की विकासशील नीतियों की जीत है जिसका श्रेय मोदी जी एवं अमित शाह को है वहां केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का योगदान भी आपदा को दिल्ली से मुक्त करवाने में अहम योगदान रहा है। शिव नाथ कपूर ने बताया कि आप पार्टी के नेता केजरीवाल को यमुना जी का अभिशाप भी ले डूबा है है जो उन्होंने हरियाणा पर यमुना जी के पानी में जहर मिलाने का भी अनर्गल आरोप लगाया था। इस अवसर पर शिव नाथ कपूर के साथ भाजपा नेता राजबीर शर्मा, राजेश शर्मा,लवली कुकरेजा,व नरेंद्र शर्मा भी उपस्थित थे।

डबल इंजन की सरकार बनने पर दिल्ली की जनता को बधाई : जगमोहन आनंद

करनाल। दिल्ली विस चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत के लिए करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने खुशी जाहिर की और दिल्ली की जनता का धन्यवाद किया तथा डबल इंजन की सरकार बनने पर बधाई दी। विधायक ने हरियाणा बीजेपी के सभी कार्यकर्ताओं को भी दिल्ली चुनावों में जीत के लिए बधाई दी और कहा कि इस जीत में हरियाणा के कार्यकर्ताओं का भी बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि झूठ की राजनीति लंबे समय तक नहीं चलती, अब दिल्ली की जनता समझ चुकी है कि केजरीवाल झूठ का पुलिंदा है वह केवल झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर सकता है, उसे आम जनता के विकास से लेना-देना नहीं है।

दिल्ली में जीत की खुशी में मनाया जश्न

- यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और पार्टी की जन-कल्याणकारी नीतियों का परिणाम है : भाजपा नेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तरावड़ी। दिल्ली मे भाजपा की जीत की खुशी मे मुंह मीठा करते नेता व पार्षद।

भाजपा की दिल्ली में ऐतिहासिक जीत की खुशी में भाजपा कार्यालय के समक्ष कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांट कर व ढोल की थाप पर नाचकर जश्न मनाया। इस मौके पर पार्षद ओमप्रकाश मल्हौत्रा, पार्षद नरेश गाबा, पूर्व पार्षद आत्मप्रकाश, रामकुमार गुप्ता, पवन कामरा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस मौके पर भाजपा नेताओं ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और पार्टी की जन-कल्याणकारी नीतियों पर जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने केजरीवाल के झूठे वादों को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के शीशमहल को नेस्तानाबूत कर दिल्ली को आप-दा मुक्त करने का काम किया है। दिल्ली ने वादाखिलाफी करने वालों को ऐसा सबक सिखाया है, जो देशभर में जनता के साथ झूठे वादे करने वालों के लिए मिसाल बनेगा। इस मौके पर भाजपा नेता ओमप्रकाश मल्हौत्रा, पार्षद नरेश गाबा ने कहा कि यह दिल्ली में विकास और विश्वास के एक नए युग का आरंभ है। दिल्ली में झूठ के शासन का अंत हुआ है। यह पीएम मोदी की गारंटी और विकास के विजन पर दिल्लीवासियों के विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि इस प्रचंड जनादेश के लिए दिल्ली की जनता का दिल से आभार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा वादे पूरे कर दिल्ली को विश्व की नंबर 1 राजधानी बनाने के लिए संकल्पित है। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर जमकर जीत का जश्न मनाया।

दिल्ली में भाजपा की 27 साल के बाद वापसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

आयोजित अभिनंदन समारोह में राज्य मंत्री इंद्रनील नाईक का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

महाराष्ट्र के राज्य मंत्री इंद्रनील नाईक ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने जिन मुद्दों पर सरकार बनाई थी, उन मुद्दों पर खरी नहीं उतर पाई है। जिससे दिल्ली की जनता ने आप को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कोई नेता लोगो की जनसेवा भाव से काम करने खरा नहीं उतर रहा है। जिस कारण से कांग्रेस दिल्ली में अपना खाता नहीं खोल पाई है।

महाराष्ट्र सरकार में राज्य मंत्री इंद्रनील नाईक शनिवार को कुटेल स्थित कल्याण फार्म हाउस पर पहुंचे। राज्यमंत्री इंद्रनील नाईक हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण के साले साहब है। उनके फार्म पर पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका फूलमालाओं, गुलदस्ता व पगड़ी पहना कर अभिनंदन किया। हरियाणा विस अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की पत्नी रेशमा कल्याण ने अपने भाई राज्यमंत्री इंद्रनील नाईक व उसकी पत्नी का तिलक लगाकर व आरती उतार कर अभिनंदन किया। राज्यमंत्री इंद्रनील नाईक ने कहा कि पूर्वजों के आशीर्वाद से उनके जीजू हरविंद्र कल्याण हरियाणा में विधानसभा अध्यक्ष है और वे महाराष्ट्र सरकार में राज्य मंत्री के पद पर हैं। ये पल उनके लिए बहुत खुशी के पल है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का उनका अभिनंदन करने पर आभार जताते हुए कहा कि उनके करनाल में पहुंचने पर जो प्यार व स्नेह दिया आप लोगो ने दिया है वह उनके दिल में बस गया है और वे इसको कभी भुला नहीं पाएंगे।

तरवड़ी। कार्यक्रम मे भाग लेते मुख्य अतिथि विधायक राम कुमार कश्यप और योगेंद्र राणा विधायक व प्रबंधक डॉ राजन लांबा

ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल में बच्चों ने लूंगी डांस गीत से बांधा समां

- स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक

तरावड़ी। ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल दरड के भव्य प्रांगण में वार्षिकोत्सव धूमधाम ,उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया । इस अवसर पर राम कुमार कश्यप विधायक इंद्री और योगेंद्र राणा विधायक असंध, मुख्य अतिथि रहे। स्कूल प्रबंधक कमेटी डॉ राजन लांबा, प्रवीण डाबरा , राजेंद्र गोलन, रीना देवी, ऋषि राज लांबा, प्रबंधक कमेटी के अन्य सदस्य पल्लवी, दृष्टि और प्रधानाचार्या गुरविंदर चावला समारोह में सम्मिलित हुए।

सर्वप्रथम प्रबंधक कमेटी के प्रेसिडेंट डॉ राजन लांबा ने अतिथियों का स्वागत किया तथा उन्हे शाल तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके बाद गणेश वंदना और फिर स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । नर्सरी कक्षा के नन्हे मुन्ने बच्चों ने आज है संडे गीत पर नृत्य करते हुए कार्यक्रम को रोचक बनाते हुए एलजी लुट पुट गए यूकेजी मैं तेरा लाड़ला पर इतनी अच्छी प्रस्तुति की अभिभावक भावुक हो गए । प्रधानाचार्या ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। विद्यालय में की गई गतिविधियों के बारे में बताया। बच्चों को प्रगति के रास्ते दिखाएं। जूनियर वर्ग के बच्चों द्वारा लूंगी डांस, डांडिया, ए देश मेरे, के बाद चीफ़ गेस्ट राम कुमार कश्यप जी ने नर्सरी से बारवी कक्षा तक 2024-25 सत्र के प्रथम तथा द्वितीय पुरस्कार वितरण किए। सभी सांस्कृतिक आइटम्स में प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें भी पुरस्कार दिए गए ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनिश्चित किया नारी शक्ति का सम्मान : डा. अरविंद शर्मा

- कहा : शिक्षा, खेल, सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी क्षमता को निखारें बेटियां
- आर्य कन्या गुरुकुल मोर माजरा के 52वें वार्षिकोत्सव में शामिल हुउ मंत्री डा. अरविंद शर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

कार्यकर्ताओं की मेहनत पर जीती दिल्ली: अरविंद शर्मा

वार्षिकोत्सव उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने दिल्ली चुनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी यमुना माँ के श्राप व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के सामने फेल हो गए हैं। वर्ष 2020 में उन्होंने खुद कहा था कि यदि वो यमुना की सफाई सुनिश्चित न कर पाएं तो दिल्ली की जनता उन्हें वोट न करे। आज दिल्ली की जनता ने अपना वायदा निभा दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में दिल्ली की जनता-जनार्दन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर भरोसा और अरविंद केजरीवाल की डर व भ्रम की राजनीति पर अपना जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के विकास को 11 साल तक महज इसलिए रोकने का काम किया, ताकि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विकास का श्रेय न देना पड़े।

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के दौरान नारी शक्ति का सम्मान बढ़ा है। हर आयु वर्ग को सशक्त बनाने के उनके संकल्प को बेटियां खुद से जोड़े और शिक्षा, खेल, संस्कृति समेत हर क्षेत्र में खुद की क्षमता को निखारते हुए अपने इलाके को गौरान्वित करें। उन्होंने अभिभावकों से भी आह्वान किया कि वो बेटियों को उचित अवसर प्रदान करें, ताकि वो अपनी प्रतिभा दिखा सकें। शनिवार को आर्य कन्या गुरुकुल मोर माजरा के 52वें वार्षिकोत्सव में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गायत्री छात्रावास के द्वितीय तल पर नवनिर्मित 50 कमरों का लोकार्पण किया। वार्षिक महोत्सव को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि इलाके की आस्था और सद्भाव लंबे समय से गुरुकुल से जुड़ा है और मैं भी इसका साक्षी हूं। आज बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। बीते 10 साल की अवधि में नारी सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा बदलाव हुआ है।

करनाल। डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व स्टाफ सदस्य।

बसंत लाती है नई चेतना,सुंदरता और खुशहाली का वातावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

डीएवी पीजी कॉलेज के महिला प्रकोष्ठ की ओर से बसंत ऋतु के आगमन पर आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर प्राचार्य प्रो.(डॉ.) रामपाल सैनी ने कहा कि बसंत ऋतु मानव जीवन और प्राकृतिक जगत में नई चेतना,सुंदरता और खुशहाली का वातावरण लाती है। बसंत ऋतु के आगमन से प्रकृति खिल उठती है,और नए स्वरूप में दिखाई देती है, इस ऋतु में फसलें लहलहा रही होती है जो खुशहाली और समृद्धि लेकर आती हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार वसंत ऋतु के आगमन से सारी सृष्टि खिलकर मनमोहक बन जाती है उसी प्रकार हमें भी अपने श्रेष्ठ कार्यों से समाज,राष्ट्र व विश्व को मानवतावादी भाव से महान बनाना चाहिए। हमें ऐसे कार्य करने चाहिए कि सभी हमारा यशगान करें। हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम प्रकृति को सुरक्षित रखने के लिए लगातार प्रयास करते रहे। बसंत ऋतु के उत्सव पर उन्होंने उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों को बधाई दी। महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ मोनिका मुवाल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए प्रकोष्ठ के अन्य सदस्यों सहित प्राचार्य को उपहार भेंट कर सम्मानित किया। बसंत ऋतु उत्सव में सभी स्टाफ सदस्य पीली व हरि रंग की ड्रेस पहनकर आए थे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल नीलोखेड़ी ब्लॉक के गांव शेरपुर विरान में पहुंचे

- केंद्रीय मंत्री ने लकवा से ग्रस्त बलदेव सिंह की दिव्यांग पैंशन तथा प्रेम सिंह का बीपीएल काड़ बनाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नीलोखेड़ी

केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल शनिवार को करनाल प्रवास के दौरान नीलोखेड़ी ब्लॉक के गांव शेरपुर विरान में पहुंचे और ग्रामीणों का हाल-चाल जाना तथा गांव में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली तथा जनता की समस्याओं को सुना।

केंद्रीय मंत्री ने इस मौके पर लकवा से ग्रस्त बलदेव सिंह की दिव्यांग पैंशन तथा प्रेम सिंह का बीपीएल कार्ड जल्द से जल्द बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने गांव में तालाब की सफाई को लेकर भी बीडीपीओ को आवश्यक निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री ने इस मौके पर ग्रामीण की मांग पर गांव शेरपुर विरान के स्कूली बच्चें, जो आसपास के स्कूलों में उच्च शिक्षा के लिए पढने जाते है, उन विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सामूहिक वाहन उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया और कहा कि शिक्षा के नए सत्र से अप्रैल माह में यह सेवा मिलनी शुरू हो जाएगी। यह घोषणा सुनकर ग्रामीण ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का तहदिल से आभार प्रकट किया।

जागरुकता — 91 चालक प्रशिक्षकों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया

पुराने बस अड्डे पर नशे के खिलाफ किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम के तहत ब्यूरो के पुलिस उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा शनिवार को पुराने बस अड्डे पर पहुंचे और फोरमैन देवेंद्र कुमार की अध्यक्षता में 91 चालक प्रशिक्षकों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया।

ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि वैसे तो कोई भी नशा मनुष्य के लिए अभिशाप है। प्रतिबंधित नशे पर कुठाराघात करते हुए कहा कि यदि प्रतिबंधित नशे मनुष्य के लिए तनिक भी अच्छे होते तो सरकार इनके लिए लाइसेंस देकर ठेके खोल देती। उन्होंने बताया कि ये नशे पहले तो बाहर से आते थे लेकिन अब तो नशा तस्करी में संलिप्त अपराधियों द्वारा यहाँ भी निर्माण किया जा रहा है जो एक बहुत बड़ी चुनौती है। यद्यपि पुलिस और एनसीबी नशा मुक्त अभियान में बहुत ही अथक प्रयास कर रही है तथापि प्रत्येक व्यक्ति का जागरूक होना अति अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि ड्रग्स के विरुद्ध आंदोलन में सभी को भागीदारी करने की आवश्यकता है ताकि भारत का प्रत्येक व्यक्ति सुखी और स्वस्थ रहे। उन्होंने आगे कहा कि अब आपको भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि नशा छोड़ने वाले भी उपरोक्त पर सम्पर्क कर सकते हैं। शपथ ग्रहण के पश्चात अलग अलग युवाओं ने अपने विचार प्रकट किए।

- ड्रग्स के विरुद्ध आंदोलन में सभी को भागीदारी करने की आवश्यकता है ताकि प्रत्येक व्यक्ति सुखी रह सके : वक्ता

करनाल। लोगों को नशे के खिलाफ शपथ दिलाते हुए। फोटो :हरिभूमि

प्रतिबंधित नशीले पदार्थो सहित दो को पकड़ा

करनाल। जिला पुलिस करनाल की अपराध शाखा-01 व एटी.नारकोटिक्स सेल की टीमो द्वारा प्रतिबंधित नशीले पदार्थ की खरीद फराख्त पर अंकुश लगाते हुए प्रतिबंधित नशीले पदार्थो सहित दो अलग-अलग मामलो मे दो आरोपीयो को गिरफतार किया गया व गिरफतार किए गए आरोपीयो के कब्जे से 487 ग्राम अफीम व 4.450 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद किया गया। पहले मामले में उप निरक्षक जयपाल कुमार अपराध शाखा-वन टीम की अध्यक्षता में कार्य करते हुए 07 फरवरी 2025 को आरोपी प्रीत पुत्र राज सिंह निवासी गांव बरेटा जिला मानसा पंजाब को विश्वनिय सूचना के आधार पर गांव बल्ला के पास से गिरफतार किया गया।

खबर संक्षेप

रजापुर स्कूल रहा युवा संसद में प्रथम

पानीपत। रजापुर गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में डाइट पानीपत द्वारा जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय को जिले में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। प्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में प्रवक्ता सुरेश कुमार, टीजीटी अनिल कुमार ने इस युवा संसद की तैयारी करवाई। विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य ने इसमें सहयोग किया। 10 फ रवरी को मंडल स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय में होगा।

अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को निकाला जाए

पानीपत। नार्थ इंडिया एंटी करप्शन एंड क्राइम प्रिवेंशन ऑर्गेनाइजेशन की बैठक लतीफ गार्डन स्थित कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक की अध्यक्षता में हुई। जिसमें भारतीय नागरिकों द्वारा अमेरिका एवं अन्य देशों में किए जा रहे हैं अमानवीय व्यवहार को लेकर चिंता जताई गई। उन्होंने हरियाणा सरकार से मांग की है कि पानीपत में भारी संख्या में बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं इनकी जांच करके इन्हें वापस बांग्लादेश भेजा जाए। बांग्लादेशी भारत में अवैध गतिविधियां चलकर भारतीय नागरिकों को परेशान कर रहे है।

योगी प्रदीप ने वार्ड-18 से भाजपा टिकट के लिए सौंपा आवेदन

पानीपत। पानीपत नगर निगम में 9 फरवरी को वोट डाले जायेंगें। जिसमें भाजपा ने चुनाव लड़ने वाले इच्छुक कार्यकताओं के आवेदन लिये है। शुक्रवार को मेयर का चुनाव लड़ने के 20 से अधिक व निगम पार्षद के लिए दो सौ अधिक ने आवेदन दिये है। जिस पर पार्टी संगठन इन पर विचार विमर्श करेगी। वहीं वार्ड-18 के बीसी ए वर्ग के लिए योगी प्रदीप ने दावा ठोका है। शहरी विधायक प्रमोद विज एवं भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट को अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ आवेदन दिया।

प्रवचन सभा का आयोजन किया

पानीपत। जैन स्थानक अग्रवाल मंडी में विराजित राष्ट्र संत उत्तर भारतीय प्रवर्तक आशीष मुनि , तत्व चिंतक उत्तम मुनि महाराज, स्वाध्याय सिद्ध विराग मुनि महाराज, बालचंद महाराज ठाणा-4 तथा साध्वी डा. इशिका आदि ठाणा के पावन सानिध्य में प्रवचन सभा का आयोजन किया गया। प्रवचन की आज की श्रृंखला में प्रवर्तक आशीष मुनि ने फरमाया कि जैसे कुशल कारीगर के हाथ में पहुंच टेढ़ा-मेढ़ा पत्थर भी मूर्ति का रूप धारण करके करोड़ों लोगों के लिए वंदनीय पूजनीय बन जाता है वैसे ही अच्छे संत या सज्जन व्यक्ति की संगति में रहने वाला बुरे से बुरा व्यक्ति भी अपनी बुराइयों को छोड़कर एक अच्छा, सच्चा इंसान बनकर जीवन में सात्विकता को अपनाने वाला बन जाता है। उत्तम मुनि महाराज ने फ रमाया की कर्म बंधन और कर्मों की गति में भावों व विचारों का बड़ा महत्व होता है।

दिल्ली की दुर्गति करने वाली आप दा व अरविंद केजरीवाल को जनता ने नकारा: महीपाल ढांड

दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत पर शिक्षा मंत्री ने दी कार्यकर्ताओं को बधाई

- यह जीत पार्टी की नीतियों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों व मतदाताओं को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यह जीत पार्टी की नीतियों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है। मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि दिल्ली की देवतुल्य जनता ने आम आदमी पार्टी के झूठे वादों पर विश्वास नहीं किया और पिछले 10 वर्षों में दिल्ली की दुर्गति करने वाली आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को पूरी तरह नकार दिया है। यह जीत जनता का भाजपा पर अटूट विश्वास और प्रधानमंत्री मोदी की विकासवादी नीतियों की जीत है। दिल्ली के लोगों ने भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और झूठी राजनीति को अस्वीकार कर विकास के पक्ष में वोट दिया है। भारतीय जनता पार्टी हमेशा से सबका साथ-सबका विकास की नीति पर कार्य करती रही है और दिल्ली की जनता ने इस पर भरोसा जताते हुए भाजपा को भारी बहुमत से विजयी बनाया।

पानीपत। भाजपा की जीत पर कार्यकर्ताओं के साथ खुशी मनाते हुए हरपाल ढांडा।

ढोल-नगाड़ों के साथ मनाया जश्न

दिल्ली में भाजपा की जीत पर हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के कार्यालय में भी उत्साह देखने को मिला। उनके बड़े भाई, समाजसेवी हरपाल ढांडा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाकर एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर खुशी जाहिर की। हरपाल ढांडा ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत, भाजपा सरकार की पारदर्शी नीतियों और प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व की जीत है। दिल्ली की जनता ने भाजपा पर जो विश्वास जताया है, वह दर्शाता है कि लोग अब असली विकास चाहते हैं, न कि खोखले वादे।

भाजपा जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि भाजपा केवल चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि जनता की सेवा के लिए काम करती है। दिल्ली में भाजपा सरकार लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगी। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इसी जोश और समर्पण के साथ पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाएं और समाज सेवा में जुटे रहें। इस अवसर पर राजीव जैन, सुरेन्द्र परुथी, अनिल बजाज, बिट्टू प्रजापत, जसविंदर चहल, पवन राणा, राजपाल हरिनगर, सुदर्शन पराशर, अतर सिंह प्रजापत, बिजेन्द्र पांचाल, अनिल शर्मा, ईशम पांचाल, तरूण तावडा, नरेश प्रजापत, राजू पहलवान, आशीष शर्मा, जितेंद्र अहलावत, संजू धवन, सुरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र अनेजा, तुलसीदास खन्ना, विक्की खन्ना, सुनील प्रजापत, रविन्द्र मंडावर आदि वरिष्ठ कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित रहे।

पानीपत। गुरु गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर व अन्य महाकुम्भ में स्नान करते हुए।

6 लाख कल्पवासियों में वितरित की खाद्य सामग्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

हरियाणा स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर कुसुम धीमान ने बताया कि महाकुंभ में वैश्विक मानवतावादी और आध्यात्मिक गुरु गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर की प्रेरणा से आर्ट ऑफ लिविंग के स्वयंसेवक दिन-रात लाखों श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों की सेवा में लगे हुए हैं। वे श्रद्धालुओं को भोजन, आवास व स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। संस्था द्वारा चल रहे अभियान के अंतर्गत श्री श्री तत्तव लाखों तीर्थयात्रियों, अखाड़ों और कल्पवासियों को 250 टन खाद्य सामग्री का वितरण कर रहा है। कुम्भ नगरी में स्थित आर्ट ऑफ लिविंग के शिविर में हजारों तीर्थयात्रियों को प्रतिदिन दो बार में एक टन खिचड़ी परोसी जा रही है। अब तक 6 लाख बिस्किट के पैकेट, 40,000 लीटर घी व 70,000 सोया चंक्स के पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। 8 आयुर्वेद विशेषज्ञों ने 5000 से अधिक लोगों को आयुर्वेदिक नाड़ी परीक्षण व परामर्श प्रदान किया है जो 26 फ रवरी तक जारी रहेगा। उन्होंने आदि शंकराचार्य के जीवन पर आधारित एक संग्रहालय का अवलोकन किया। गुरुदेव ने प्रमुख संतों से भी मुलाकात की। जिनमें काष्ठि आश्रम के स्वामी शरणानंद, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, साध्वी ऋतम्भरा, मलूक पीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्र दास शामिल हैं।

बच्चों ने अपनी मासूमियत और उत्साह से सबको मंत्रमुग्ध किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

डीएवी पब्लिक स्कूल, थर्मल कालोनी में एलकेजी से कक्षा दूसरी तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम रोमांच, उमंग, जोश और देशभक्ति की भावना से भरपूर रहा। जिसमें बच्चों ने अपनी मासूमियत और उत्साह से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

पुराने खेलों की पुनः स्मृति डिजिटल दुनिया से दूर जाने की एक पहल,कोरोना महामारी के बाद बच्चों की डिजिटल दुनिया से बढ़ती नजदीकियों को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में उन पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित किया गया, जो कभी हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा थे। बच्चों ने रस्सी कूद, लंगड़ी, सतोलिया, कबड्डी जैसे खेलों के माध्यम से न केवल आनंद लिया, बल्कि अपने शारीरिक व्यायाम को भी सुनिश्चित किया। यह पहल बच्चों को मोबाइल और टीवी की लत से दूर रखने तथा उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

पानीपत। डीएवीपब्लिक स्कूल थर्मल में छात्र बाक्सिंग में भाग लेते हुए।

सट्टा खाईवाली करते युवक गिरफ्तार

पानीपत। थाना तहसील कैंप पुलिस टीम ने वधावाराम कॉलोनी में सट्टा खाईवाली कर रहे युवक को दाव पर लगी 3010 रुपये की नगदी समेत गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान गौरव निवासी मोतीराम कालोनी के रूप में हुई है। थाना तहसील कैंप प्रभारी इंस्पेक्टर राजीव ने बताया कि टीम को गुप्त सूचना मिली की वधावाराम कालोनी में बंद मकान के बाहर एक युवक अवैध रूप से सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना पाकर पुलिस टीम मौक पर पहुंची और सिविल पाश्चात में एक बोगस ग्राहक बनाकर उसे 10 रुपये का नोट देकर युवक के पास भेजा। बोगस ग्राहक की और से इशारा मिलते ही पुलिस टीम ने दंबिस देकर सट्टा खाइवाली कर रहे अरोपी युवक को काबू किया। मौके पर आरोपी के कब्जे से सट्टे के नंबरों की पर्ची, पेन व दाव पर लगी 3010 रुपये की नगदी बरामद हुई।

टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बापौली

गांव कुराड स्थित टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि ब्रदर इंटरनेशनल कंपनी के संचालक सुभाष गुप्ता रहे। जिनका स्कूल प्रबंधको एवं स्टाफ ने फूल माला पहनाकर स्मृति चिन्ह देकर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। प्रदर्शनी में विज्ञान, गणित, सामाजिक, हिंदी, शारीरिक शिक्षा व अंग्रेजी विषय पर विद्यार्थियों द्वारा अच्छे-अच्छे मॉडल बनाए गए। वहीं बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि सुभाष गुप्ता ने कहा कि ग्रामीण परिवेश के विद्यालयों में इस प्रकार की प्रदर्शनियों का आयोजन काबिल है। इससे न केवल ग्रामीण बच्चों का पढ़ाई के प्रति लगाव बढ़ेगा बल्कि प्रतियोगिताओं में शामिल होने की प्रेरणा भी मिलेगी। इस अवसर पर आर्य समाज के प्रवक्ता ओम दत्त आर्य, राजेश देशवाल, सरपंच प्रतिनिधि टिंकू देशवाल ,शमशेर शर्मा, अतर सिंह आंतिल ,हिटलर राजेंद्र देशवाल ,रामेश्वर दास भोरिया, राम भूल त्यागी, डा. श्याम लाल, प्रवीण खोखर ,मास्टर सुरेश , प्रिंसिपल मनीष घनघस, सुमित्रा, कृष्णा व वीरमति मौजूद रहे।

बापौली। गांव कुराड स्थित टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथिगण। फोटो :हरिभूमि

पानीपत। दिल्ली में भाजपा की जीत पर चुलकाना धाम मंडल के सदस्य लड्डू बांटकर खुशी मनाते हुए। फोटो :हरिभूमि

भाजपा की जीत पर चुलकाना धाम मंडल ने बांटे लड्डू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

दिल्ली में भाजपा की भारी जीत की खुशी में चुलकाना धाम मंडल ने लड्डू बांटकर खुशी मनाई। जिला पार्षद सुंदर छौक्कर चुलकाना, संजू पुजारी, गौरव ,प्रदीप वकील भोड़वाल माजरी, अनिल सैनी व भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में भाजपा की जीत की खुशी में चुलकाना धाम मंडल के मीडिया प्रभारी सोनू शर्मा छदिया को लड्डू खिलाकर जीत की खुशी मनाई। सोनू शर्मा छदिया ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कामों से खुश होकर दिल्ली की जनता ने भाजपा को भारी बहुमत से जिताया। समालखा के सभी कार्यकर्ताओं ने भी दिल्ली चुनाव में जाकर मेहनत की थी जिसकी मेहनत रंग लाई। चुलकाना धाम मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जांगडा व मंत्री भूषण नंबरदार ने भी बधाई दी।

जया एकादशी पर लाखों भक्तों ने किये श्याम बाबा के दर्शन

- 2 मार्च को फाल्गुन मेले में पानीपत से चुलकाना धाम पहुंचेगी निशान यात्रा :बंसल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

माघ महीने की शुक्ल पक्ष की जया एकादशी को चुलकाना धाम में श्री श्याम बाबा की विशेष पूजा अर्चना की गई। चुलकाना धाम में आने वाले सभी रास्तों पर पैदल निशान यात्राओं की भीड़ रही।

भक्त मुंह में श्याम नाम ओर हाथों में निशान लेकर बाबा की मस्ती में गाते हुए धाम पर पहुंचे। हरियाणा के अलावा उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान व उत्तराखण्ड समेत राज्यों से भक्त श्री श्याम बाबा के दर्शन करने तपोभूमि सिद्धपीठ चुलकाना धाम में पहुंचें जहां चुलकाना धाम में भक्तों की मन्नत पूरी होती हैं। इसलिए इस पवित्र धाम का डंका विश्व में बजा हुआ है। वीर बर्बरीक महादानी ने श्री चुनकट महर्षि की सिद्धपीठ पर अपने शीश का दान देकर अपने बाणों की परीक्षा दी थी। यहां श्याम बाबा साक्षात विराजमान हैं इसलिए धाम पर बाबा चमत्कार दिखा रहा है। वृंदावन ट्रस्ट के प्रधान राकेश बंसल व सचिव हरीश बंसल ने बताया कि 2 मार्च को फाल्गुन मेले के उपलक्ष्य में पानीपत के गोहाना मोड से चुलकाना धाम के लिए सबसे बड़ी निशान यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें 31 हजार निशानों के साथ श्याम बाबा के जयकारे लगाते हुए भक्त नाचते गाते चुलकाना धाम में पहुंचेंगे। इस अवसर पर मंदिर कमेटी प्रधान रोशन लाल छौक्कर, प्रवीन सिंगला, हरीश बंसल, विजय पुजारी, नरेंद्र पुजारी आदि लोग मौजूद रहे।

समालखा। श्याम बाबा की विशेष पूजा अर्चना करते हरीश बसंल व अन्य।

पानीपत। दिल्ली में भाजपा की जीत पर विधायक प्रमोद विज कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाते हुए। फोटो :हरिभूमि

विज ने कार्यकर्ताओं के साथ मनाया जश्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

दिल्ली विधानसभा में भाजपा की विजय का उत्सव पानीपत शहरी विधानसभा के विधायक प्रमोद विज के कार्यालय में भी कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। विधायक प्रमोद विज ने बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक विजय मिली है। विज ने दिल्ली विजय की प्रदेशवासियों एवं भाजपा परिवार के सभी साथियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप दा से मुक्ति के बाद विकसित भारत की विकसित दिल्ली के अपने संकल्प को हम सिद्धि तक पहुंचाने के प्रण को जरूर निभाएंगे। दिल्ली में आज अंधेरा छटा, सूरज निकला है और कमल खिला है।

आईबी कालेज में बीमा क्षेत्र में करियर विषय पर वार्ता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आईबी पीजी कालेज के प्लेसमेंट एवं करियर गाइडेंस प्रकोष्ठ द्वारा बीमा क्षेत्र में करियर विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मेधा फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया। जिसमें छात्रों को बीमा उद्योग के बढ़ते अवसरों और संभावनाओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य वक्ता सुरेंद्र शर्मा को पौधा भेंट करके किया गया। कार्यक्रम में अतिथिरूप में शर्मिला उपस्थित रहीं। शर्मा रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में क्षेत्र प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने छात्रों को बीमा उद्योग के विभिन्न पहलुओं, आवश्यक कौशल, जॉब रोल्स, संभावित करियर ग्रोथ और नवीनतम रुझानों की जानकारी दी। प्राचार्या डा. शशि प्रभा मलिक ने कहा कि बेरोजगारी आधुनिक समय की ज्वलन्त समस्या है। संयोजिका डा. अर्पणा गर्ग ने कहा कि हमारा प्रयास है कि छात्रों को उद्योग जगत के विशेषज्ञों से सीधे जुड़ने का अवसर मिले। जिससे वे अपने करियर को लेकर सही निर्णय ले सकें। मुख्य वक्ता सुरेंद्र शर्मा ने बड़े सरल व सुरुचिपूर्ण ढंग से अपने जीवन के अनुभवों को बताते हुए अपना वक्तव्य प्रारम्भ किया। कार्यक्रम में डा. नेहा, डा. पूजा व डा. रेखा मलिक उपस्थित रहीं।

पानीपत। आईबी कालेज में बीमा क्षेत्र में करियर विषय पर विशेषज्ञ वार्ता के मुख्यवक्ता सुरेन्द्र शर्मा का स्वागत करते आयोजक। फोटो :हरिभूमि

मेला | मेला आत्मिक शांति और सच्चे सुख की अनुभूति का माध्यम बनेगा: बीके सुनीता बहन

ब्रह्माकुमारीज का द्वादश ज्योतिर्लिंग आध्यात्मिक मेला 13 से 19 फरवरी तक सेक्टर-12, हुडा में लगेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

सेक्टर-12 स्थित हुडा के ब्रह्माकुमारीज आश्रम में द्वादश ज्योतिर्लिंग आध्यात्मिक मेला को लेकर आज मुख्य वक्ता राजयोगिनी बीके सुनीता बहन ने पत्रकारों के सामने रूपरेखा प्रस्तुत कर इसके आध्यात्मिक एवं सामाजिक महत्व को स्पष्ट किया।

उन्होंने बताया कि मेले का आयोजन 13 से 19 फरवरी तक कटारिया लैण्ड, सेक्टर-12, हुडा में दोपहर 3 से 8 बजे तक होगा। मेले का मुख्य उद्देश्य लोगों को ईश्वर की सच्ची पहचान कराना, आत्मिक जागरूकता बढ़ाना और राजयोग के माध्यम से जीवन में शांति एवं सकारात्मकता लाना है। उनके साथ बीके सारिका बहन भी उपस्थित रहीं। जिन्होंने मेले के विभिन्न आयोजनों और विशेष झांकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मेले के प्रमुख आकर्षण

12 ज्योतिर्लिंग और पवित्र अमरनाथ गुफा की भव्य झांकी, 30 फुट लम्बा कुंभकरण का लाइव शो, 27 फुट ऊंचा शिवलिंग, राजयोग मेडिटेशन कक्ष ,तनाव मुक्त जीवन के लिए विशेष सत्र, आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी, मानव जीवन, सृष्टि चक्र और ईश्वरीय रहस्य पर आधारित।

विशेष आयोजन

भव्य शिव संदेश यात्रा दोपहर 2 बजे से,16 फ रवरी को अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक महासम्मेलन,17-19 फ रवरी को त्रिदिवसीय निःशुल्क तनाव मुक्त जीवन राजयोग शिविर, राजयोग ध्यान एवं शांति अनुभूति के लिए विशेष सत्र। राजयोगिनी बीके सुनीता बहन ने कहा कि आज के समय में व्यक्ति मानसिक और भावनात्मक रूप से असंतुलित हो चुका है। मेला आत्मिक शांति और सच्चे सुख की अनुभूति का माध्यम बनेगा। भगवान शिव स्वयं इस धरा पर अवतरित हो चुके हैं और यह आयोजन उनके दिव्य संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। बीके सारिका बहन ने कहा कि हम मेले के माध्यम से लोगों को एक नई सोच और जीवन की सच्ची समझ देने का प्रयास कर रहे हैं। यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश है।

दिल्ली में भाजपा की बपंर जीत पर खूब थिरके कार्यकर्ता

विज बोले-ये पीएम मोदी का जलवा,जीत से झूठ-फरेब की राजनीति का हुआ अंत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

दिल्ली विधानसभा चुनाव में 27 साल बाद मिली प्रचंड जीत के बाद शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने खूब जश्न मनाया। जीत की खुशी में लड्डू बांटे गए साथ ही जमकर आतिशबाजी भी हुई। ऊर्जा, श्रम व परिवहन मंत्री अनिल विज ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत को मोदी का जलवा बताया। उन्होंने कहा आम आदमी पार्टी की हार के बाद झूठ फरेब व मुफ़्तवादी राजनीति की सफाई हो गई है। यह मोदी की जीत है, मोदी जी को जय श्री राम। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार बन रही है। मोदी जी का जलवा सर चढ़ कर बोल रहा है, आम आदमी पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं की हार के बाद मुफ्तवादी राजनीति का अंत हो रहा है। देश में साफ-सुथरी राजनीति हो रही है। विज ने कहा दिल्ली के लोगों ने बहुत अच्छा फैसला दिया है। कांग्रेस अब इस देश में जीरो है। कार्यकर्ताओं ने दिल्ली चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर पार्टी कार्यालय के समक्ष जीत का जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और ढोल की थाप पर वह जमकर थिरके। इस दौरान लड्डू भी बांटे। मौके पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज भी पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

अंबाला। भाजपा की जीत पर जश्न में शामिल होते मंत्री अनिल विज।

जीत पर लड्डू के साथ जलेबी बंटी

दिल्ली में भाजपा की बंपर जीत पर नारायणगढ़ में भी भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी के निवास पर एकत्रित होकर लडडू व जलेबी बांट कर अपनी खुशी का इजहार किया। भाजपा की दिल्ली के विधानसभा चुनाव में जीत होने पर हलके के बड़ी संख्या में उत्साहित कार्यकर्ता डॉ. पवन सैनी के निवास पर पहुंचे थे। उत्साहित कार्यकर्ताओं को लड्डू व जलेबी खिलाकर उन्हें जीत की मुबारकबाद दी। पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने कहा कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत दिल्ली की जनता की जीत है जिसने भारतीय जनता पार्टी को विजय दिलाकर आम आदमी पार्टी को सता से बाहर बैठा दिया है। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल का स्वयं चुनाव हार जाना यह दिखाता है कि दिल्ली के लोग उनकी नीतियों से नाखुश थे और विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा की यह जीत जहां दिल्ली की जनता की जीत है वहीं यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता एवं मार्ग दर्शन का कमाल है। जिसके कारण भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में डोर टू डोर जाकर केन्द्र सरकार व भाजपा शासित राज्य सरकारों के कामों की जानकारी देने के साथ ही भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा दिल्ली के विधानसभा चुनाव में धुंआधार चुनाव प्रचार किया गया।

दिल्ली में बीजेपी की प्रचंड जीत पर जोरदार जश्न

अंबाला। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत हासिल हुआ है। 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सत्ता में वापसी हुई है। जिसे लेकर देशभर में भाजपा खूब जश्न मना रही है। अंबाला शहर में भी भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचकर व पटाखे फोड़कर दिल्ली की जीत का जश्न मनाया। इस दौरान पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल भी जीत के जश्न में शामिल हुए। शहर के मुख्य चौक जगाधरी गेट पर पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने भाजपा नेताओं के साथ मिलकर जलेबी बांटकर जीत की खुशी मनाई। इस दौरान असीम गोयल ने दिल्ली में खाता भी न खोल पाने वाली कांग्रेस और अरविंद केजरीवाल पर तीखे तंज भी कसे। असीम गोयल ने कहा कि यह कांग्रेस की समाप्ति का काल चल रहा है। आज दिल्ली को आपदा से मुक्ति मिली है। आज न केवल दिल्ली बल्कि पूरे देश में मिठाईयां बांटी जा रही है।

लाखों का सरिया चोरी होने से बच गया

अंबाला। अंबाला शहर के कालू माजरा के निकट निर्माणाधीन वर्कशॉप की साइट से लाखों का सरिया चोरी होने से बच गया। शातिर चोर कैंटर लेकर आए थे और सरिया लोड कर जाने लगे तो अचानक पहिये मिट्टी में धंस गए। इस बीच चोरों ने सिक्योरिटी गार्ड को भी जबरन पकड़ लिया था। कैंटर फंसने पर चोर उसे छोड़कर फरार हो गए। अंबाला सदर थाना पुलिस ने चोरी की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शिकायतकर्ता सिटी की पुलिस लाइन निवासी जसविंद्र सिंह ने बताया कि उनकी गुरुनानक मोटर्स के नाम से नियर पुलिस लाइन के पास मारुति की वर्कशाप है। वर्कशाप बनाने का काम कालू माजरा स्काई होटल के निकट एक एकड़ जमीन पर बनी हुई है।

नई आधुनिक शैली से शिक्षकों को किया दक्ष

- सीबीएसई की ओर से आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

शिक्षकों की दक्षता और शिक्षण कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से शैमफॉर्ड विद्यालय, में शनिवार को सीबीएसई द्वारा एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में ब्लूम टैक्सोनॉमी, लर्निंग आउटकम्स, पाठ योजना, शिक्षणशास्त्र, निर्देशात्मक रणनीतियां और विभिन्न शिक्षण विधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला का शुभारंभ अंबाला छावनी एयरफोर्स स्कूल से डॉक्टर अनुपम हांडा और आर्मी पब्लिक स्कूल चंडीमंदिर पंचकुला से आई शिवानी वशिष्ठ द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय के 60 शिक्षकों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया और नवीनतम शिक्षण तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षकों को कक्षा प्रबंधन, डिजिटल शिक्षण उपकरण, फ्लिप क्लासरूम, प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण, पीयर टीचिंग एवं गेमीफिकेशन जैसी प्रभावी शिक्षण रणनीतियों से अवगत कराया गया।

बराड़ा। कार्यशाला में भाग लेने वाले शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

इस दौरान प्रायोगिक सत्र, केस स्टडी एवं समूह चर्चा के माध्यम से शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया। अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या रुबी शर्मा ने प्रशिक्षकों को स्मृति चिह्न देकर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को सशक्त बनाते हैं और शिक्षा की गुणवत्ता को उन्नत करने में सहायक होते हैं।

यातायात नियमों की पालना जरूरी

- गोल्डन ऑवर में जख्मी व्यक्ति की हर संभव मदद कर उसकी जान बचाने में निभाएं अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने कहा कि यातायात के नियमों की पालना करना हम सभी के लिए बेहद जरुरी है। उन्होंने बताया कि किसी भी शहर का यातायात सुव्यवस्थित रहे इसके लिए यातायात नियमों की पालना करना हम सभी का दायित्व है। क्योंकि छोटी सी भी गलती हो जाने से दुर्घटना हो सकती है। यातायात के नियमों की पालन के अभाव में किसी की भी जान जा सकती है जिसका खामियाजा परिवार के लोगों को भुगतना पड़ सकता है। इसके साथ ही यातायात के नियमों का पालन करने से ट्रैफिक जाम की समस्या से भी निजात पायी जा सकती है।

एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया।

अगर आप सड़क पर सुरक्षित रहना चाहते हैं तो सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटना की संभावना भी कम होती है। सही सलामत आप अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचते हैं। विशेष कर मोटरसाइकिल चालक को हेलमेट का प्रयोग जरूर करना चाहिए। एसपी ने बताया कि सुरक्षित यात्रा के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात नियमों की पालना हेतु लगातार जागरूक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाए जाते है। वाहन चेकिंग का मुख्य उद्देश्य दोपहिया वाहन चालक हेलमेट पहनें ,मार्गों पर वाहनों की गति को नियंत्रण में रखें, कभी ओवरटेक न करें। आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर दुर्घटनाएं तेज और अनियंत्रित रफ्तार के कारण ही होती हैं।

जीएमएन कॉलेज में होगी पूल कैंपस ड्राइव

अंबाला। गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज की ओर से आगारा आगामी 11 फरवरी को सुबह 9 बजे से कॉलेज के मैनेजमेंट एवं टेक्नोलॉजी ब्लॉक में पूल कैंपस ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। ड्राइव का आयोजन कॉलेज प्राचार्य डॉ रोहित दत्त के दिशा निर्देशन में किया जा रहा है। डॉ रोहित दत्त ने बताया कि इस ड्राइव का उद्देश्य अंबाला के शिक्षित युवा वर्ग को रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करना है। इस प्रतिस्पर्धा भरे युग में युवा को अपने लक्ष्य निर्धारण एवं लक्ष्य प्राप्ति के लिए सही मार्गदर्शन नितांत आवश्यक है। इस प्रकार की पूल ड्राइव से छात्रों को सही अवसर मिलते हैं। पूल ड्राइव में शामिल होने से छात्रों को बाहरी दुनिया में होने वाली प्रतिस्पर्धा का पता चलता है।

चेयरपर्सन समेत सभी वार्डों से जीत का बनाया रोडमैप

विजय के लिए करनी होगी मेहनत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला सदर नगर परिषद चुनाव को लेकर भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। इस सिलसिले में शनिवार को परिवहन मंत्री अनिल विज ने खुद पार्टी नेताओं की मीटिंग लेकर जरुरी निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि कार्यकर्ताओं को इतनी मेहनत करनी होगी कि चेयरपर्सन समेत सभी 32 वार्डों में भाजपा उम्मीदवारों की जीत हो। विज ने कहा कि चुनाव रणभेरी बजी चुकी है। इस चुनावों में हम इतनी मेहनत करेंगे कि सभी वार्डों से जीत मिले। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। जोकि आम जनता से जुड़ा है। उन्होंने कहा यदि उनका बस चलता तो वह निकाय चुनावों में जो अंतर पड़ा है वह पड़ने न देते। चुनाव कराकर उन्हें काम करने वाले 32 हाथ और मिल जाते।

अंबाला। निकाय चुनाव को लेकर पार्टी नेताओं को आदेश देते परिवहन मंत्री अनिल विज।

प्रत्याशी तय होंगे

विज ने कहा कि हमने अभी चेयरपर्सन और सदस्य पद के प्रत्याशियों को तय करना है। इसके लिए चयन प्रक्रिया प्रारंभ करनी है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से विचार-विमर्श करने के उपरांत भाजपा नेता संजीव सोनी बब्बू की अध्यक्षता में आवेदन समिति बनाई जिसमें वरिष्ठ भाजपा नेता ओम सहगल, सोम चोपड़ा, जसबीर सिंह जस्सी, सुरेंद्र बिंद्रा, अजय बवेजा के अलावा भाजपा अंबाला छावनी के चारों मंडल प्रधान, पूर्व प्रधान तथा महासचिवों को शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि चेयरपर्सन और सदस्य पद के लिए चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ता आवेदन समिति के अध्यक्ष संजीव सोनी बब्बू को अपने आवेदन जमा कराए ताकि नामों की छंटाई के बाद उन्हें आगे हाईकमान को भेजा जा सके।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

बम्पर इनामी योजना-2025

नाम.....सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी.....

पता.....तहसील .....पिन.....

जिला ..... फोन नं. ..... एजेंट का नाम .....

सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
मास्टर कूपन | मास्टर कूपन | मास्टर कूपन
मास्टर कूपन | मास्टर कूपन | मास्टर कूपन

नियम व शर्तें

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 - 5 फरवरी 2025 से 5 अगस्त 2025 की अवधि के लिए है। ⏭ बम्पर ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ⏭ योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित प्रपत्र पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 24 कूपनों में से कुल 18 कूपन (12 सामान्य एवं 6 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ⏭ हर माह के दो सामान्य कूपन चिपकाना अनिवार्य है। ⏭ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन फार्मेट में मान्य नहीं होगे। ⏭ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ⏭ हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ⏭ यदि किसी पुरस्कार पर टी. डी. एस. की कटौती लागू होगी तो विजेता को टी.डी.एस. का भुगतान स्वंय करना होगा। ⏭ वाहनों के एक्स शोरूम की कीमत को हरिभूमि द्वारा वहन किया जायेगा और अन्य खर्च विजेता को देने होंगे। ⏭ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ⏭ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रोहतक होगा। ⏭ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ⏭ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। ⏭ प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितम्बर 2025 होगी। ⏭ पूर्णरूप से भरा हुआ मूल प्रपत्र अपने नजदीक के हरिभूमि कार्यालय या मुख्य कार्यालय में स्वंय अथवा साधारण डाक द्वारा भिजवाएं। ⏭ किसी भी कूपन और प्रपत्र की फोटोप्रति मान्य नहीं होगी। ⏭ अंतिम तिथि के बाद प्रपत्र स्वीकार नहीं होंगे। विजेताओं का चयन ड्रॉ द्वारा किया जायेगा। ⏭ ड्रॉ निकालने की तिथि 5 अक्टूबर 2025 होगी। ⏭ विजेताओं की सूची 10 नवम्बर से समाचार पत्र में प्रकाशित की जायेगी। ⏭ प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय रोहतक से पुरस्कार प्राप्त करना होगा। अन्य सभी विजेता हरिभूमि के उनके नजदीकी कार्यालय से पुरस्कार प्राप्त कर सकेंगे। ⏭ सभी विजेताओं को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी फोटो पहचान पत्र की फोटो प्रति हरिभूमि कार्यालय में जमा करनी होगी। अपने साथ पहचान पत्र की मूल प्रति लाना न भूलें।

हरिभूमि कार्यालय , नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
फोन : 9253681019-20, 9253681010, 9253681005

{ कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल }

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूपः इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्गारों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही, केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरसः कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्टय का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेमः कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम हैं।

कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधनः प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।*

प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौरः प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन मे प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंटः एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

{ अहसास / डॉ. अनिता राठौर }

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएंः जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकतः बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉनेः रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

व्लादिमीर नबोको-वेराः व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

{ प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव }

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

{ व्यंग्य / राकेश सोहम }

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था। हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़स हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और कार्ड्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक / जिस की सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'* (तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

पुस्तकः कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिकाः डॉ. रचना तिवारी, मूल्यः199 रु, प्रकाशकः सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

{ बदलाव / लोकमित्र गौतम }

प्रेम अब पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। डिजिटल प्रेम के नए स्वरूप से एक ओर जहां प्रेमियों को आपस में संपर्क बनाए रखना आसान हो गया है, वहीं प्रेम संबंधों ने जाति, धर्म और देश की सीमाओं को भी पार कर दिया है। डिजिटलाइजेशन ने प्रेम के स्वरूप को कैसे बदल दिया, इससे ग्रामीण भारत के युवाओं में क्या बदलाव आए हैं, यह जानना दिलचस्प है।

हर कहीं लिखी जा रही हैं डिजिटल प्रेम की दास्तानें

पिछली सदी के 90 के दशक के मध्य में आया मोबाइल और इस 21वीं सदी में हुई डाटा क्रांति ने गांव और शहर के बीच की दूरियां बहुत हद तक मिटा दी हैं। सोशल मीडिया ने एक झटके में 90 से 95 फीसदी तक दोनों के बीच गैप को पाट दिया है। आज जिस तरह शहर की युवा पीढ़ी मोबाइल से चिपकी रहती है, उसी तरह से गांवों की युवा पीढ़ी को भी मोबाइल का रोग लग चुका है। गांव और शहर की जीवनशैली में पहले इतनी ज्यादा समानता कभी नहीं थी, जब तक मोबाइल क्रांति नहीं हुई थी और सोशल मीडिया के तूफान ने हमारे खान-पान और पहनने से लेकर सोचने-समझने तक की दुनिया में इतना हस्तक्षेप नहीं किया था। आज कोई ऐसा फैशन नहीं है, जो मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए शहरों के साथ-साथ गांव न पहुंचता हो। नई-नई आदतें, नई-नई भाषाई अभिव्यक्तियां और जाहिर है, नए-नए इमोशन भी अब गांवों और शहरों के युवाओं के बीच एक से हो गए हैं।

हर कहीं वैलेंटाइन का उत्साह

यह अकारण नहीं है कि आज के दौर में महानगरों से ज्यादा वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर उत्साह, ग्रामीण युवाओं में देखा जाता है। सोशल मीडिया ने सबसे ज्यादा गांवों की नई पीढ़ी को ही प्रभावित किया है और जाहिर है, यह प्रभाव उन मामलों में सबसे ज्यादा पड़ा है, जिनमें एक जमाने तक गांवों और शहरों में स्पष्ट दूरियां थीं यानी प्रेम और शादियां। मोबाइल क्रांति और सोशल मीडिया के उभार के बाद ग्रामीण समाज विशेषकर प्रेम और शादियों को लेकर एक नए तरह के बदलाव से गुजर रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि मोबाइल ने गांवों में विशेष तौर पर पुरानी और नई पीढ़ी के बीच सबसे ज्यादा सांस्कृतिक तनाव पैदा कर दिया है। इसलिए देखने वाली बात यह है कि वैलेंटाइन-डे जैसे मौके और इन मौकों से जुड़ी भावनाओं ने आखिर ग्रामीण समाज में किस तरह की उथल-पुथल मचा दी है।

प्रेम-विवाह से आए नए तनाव

80 के दशक तक हिंदुस्तान में जहां इंडिया और भारत जैसे एक दूसरे से काफी दूर-दूर दो पहचानें, साथ-साथ अस्तित्व में थीं, इंटरनेट और मोबाइल के बाद भारत और इंडिया के बीच निःसंदेह एक झटके में दूरियां घटी हैं, लेकिन इन दूरियों के घटने का नतीजा भारी तनाव के रूप में सामने आया है। भारत के गांव जो कभी पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामुदायिक नियंत्रण से संचालित होते थे, अब मोबाइल तकनीक के चलते वैयक्तिक निर्णयों के दौर से गुजर रहे हैं। मोबाइल फोन ने पहली बार ग्रामीण युवाओं को ही नहीं महिलाओं को भी जबर्दस्त स्वतंत्रता दी है और उनकी यह आजादी बहुत सारे फैसलों में साफ-साफ दिखती है। लेकिन सबसे बड़ा तनाव जिस एक वजह से पैदा हुआ है, वह मोबाइल के चलते युवाओं को हासिल हुई प्रेम करने की सुविधा और ग्रामीण समाज में उस प्रेम को विवाह के रूप में परिवर्तित होने में पैदा की जा रही बाधाओं ने बहुत भारी तनाव पैदा कर दिया है। ऐसी खबरें कम ही आती हैं कि मोबाइल क्रांति के बाद गांवों में युवाओं के बीच प्रेम और प्रेम विवाह किस तरह से लड़ाई-झगड़े यहां तक कि मारपीट और रंजिश का बड़ा कारण बनकर उभरे हैं। हाल के सालों में गांवों में 40 फीसदी से ज्यादा युवा साफ-साफ अपने मन की शादी करने और प्रेम करने की आजादी का इजहार कर चुके हैं और उनकी दो-तीन पीढ़ियों के पहले वाले मां-बाप इस सबको स्वीकार करने के जबर्दस्त तनाव में है, जिससे नए तरह के अपराध घटित हो रहे हैं।

खुलने लगे इंटरनेशनल अफेयर के दरवाजे

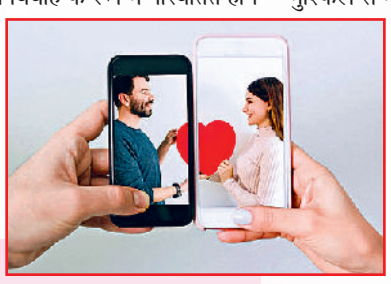

आज शहरी और ग्रामीण प्रेम में बहुत फर्क नहीं रह गया है, क्योंकि दोनो ही जगह 90 फीसदी प्रेम, मोबाइल और व्हाट्सएप के जरिए हो रहा है। इसलिए उनके नतीजे एक जैसे हैं। जिस तरह आज शहर डिजिटल प्रेम में कसमसा रहे हैं, उसी तरह से गांवों में भी डिजिटल प्रेम पारंपरिक मासूमियत को टाटा कर रहा है। एक जमाना था, जब गांवों में प्रेम-प्रसंग के लिए बहुत मुश्किल से मौके मिलते थे। क्योंकि पूरा का पूरा ग्रामीण समाज ही एक तरह से प्रेम के विरोध में निगरानी पर डटा रहता था। लेकिन अब मोबाइल फोन, व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम ने गांवों के युवाओं को भी न सिर्फ प्रेम के इजहार की खुली दुनिया मुहैया कराई है बल्कि अब गांव के युवा भी शहरी लड़कियों से ही नहीं बल्कि सुदूर देशों की लड़कियों से भी इश्क लड़ा रहे हैं। हाल के दिनों में बिहार के गांवों में ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से आकर लड़कियों ने जिस तरह से शादियां की हैं और भारत तथा पाकिस्तान के बीच सब तरह की राजनीतिक रस्साकशी के बाद जिस तरह से दोनों ही देशों में एक-दूसरे के यहां से लड़कियां बगावत करके शादी के लिए पहुंच रही हैं, उससे मानना ही पड़ेगा कि डिजिटल युग के इस प्रेम में किसी तरह की निगरानी कामयाब नहीं हो रही है। *

हर कहीं होती है चैटिंग-स्नैपिंग

पहले प्रेम चोरी-चोरी, चुपके-चुपके होता था। फिर उससे आगे पत्र व्यवहार के जरिए भी चोरी छुपे ही आगे बढ़ता था। प्रेमी एक दूसरे तक अपने प्रेम पत्र पहुंचाने के लिए जान पर खेलकर नई- नई तकरीबें ढूंढ़ते थे। लेकिन अब एक झटके में इस सबकी जरूरत खत्म हो गई है। अब सीधे, चैटिंग, वीडियो कॉलिंग और स्काइ स्नैपिंग का दौर है। जिस पर कोई भी पहरा कारगर नहीं है। यही कारण है कि पहले गांव में जहां स्वतः युवा पीढ़ी प्रेम संबंध बनाते समय अपनी जातियों और धर्मों का ख्याल रखती थी, वहीं अब ये सारी सीमाएं एक झटके में टूट गई हैं और अंतर्जातीय और अंतर्धार्मिक प्रेम संबंध खूब बढ़ रहे हैं।

प्रेम कहानियों में एक-दूसरे को संदेश पहुंचाने के लिए कबूतरों का जिक्र आता ही है। आज के डिजिटल दौर में पलक झपकते ही प्रेमी-प्रेमिका अपना संदेश पहुंचा लेते हैं लेकिन सदियों से कबूतरों का संदेशवाहक के रूप में प्रयोग किया जाता रहा है।

सदियों तक रहा प्रेमियों का संदेशवाहक कबूतर

{ रोचक / के. पी. सिंह }

फरवरी माह आते ही सदियों तक प्रेमियों के संदेशवाहक रहे कबूतरों की याद आने लगती है। कबूतर और स्वान पक्षियों की चर्चा हमेशा प्रेम आख्यानों के साथ जुड़ी रही है, क्योंकि ये प्रेम और वफादारी के प्रतीक माने जाते हैं।

कबूतरों में होती है विलक्षण क्षमताः इंसान ने सदियों पहले कबूतरों के साथ एक कम्युनिकेशन सिस्टम विकसित किया था, जिसे 'हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन' कहा जाता था। वास्तव में यह संचार व्यवस्था, कबूतरों की दिशा पहचानने के मामले में अद्भुत क्षमता के कारण विकसित हुई। कबूतरों में घर लौटने की अद्भुत क्षमता होती है। इसे 'हॉमिंग इंस्टिंक्ट' कहते हैं। हालांकि आधुनिक बेतार संचार व्यवस्था के उच्च स्तर पर विकसित होने के कारण अब दुनिया में हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन का इस्तेमाल करीब-करीब खत्म हो चुका है, लेकिन कहीं-कहीं लोग शौकिया तौर पर और कहीं कहीं विशिष्ट तकनीक के रूप में इसका इस्तेमाल करते हैं। हालांकि वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि कबूतरों में आज भी संदेशवाहक बनने की क्षमता मौजूद है। कबूतरों के दिमाग में 'मैग्नोरिसेप्टर' मौजूद होता है, जिससे वे पृथ्वी के चुबंकीय क्षेत्र को समझ पाते हैं और लंबी दूरी तक सही दिशा की पहचान कर सकते हैं। यही नहीं कबूतर सूरज की स्थिति और वातावरण में गंध का उपयोग करके भी रास्ता पहचानते हैं। इसका सबूत ये है कि किसी कबूतर को अगर एक जगह लंबे समय तक रखकर पाला जाए, तो उसे कितने ही अजनबी ढंग से किसी अंजान जगह में छोड़ दीजिए, वह अपने पुराने स्थान पर हर हाल में लौट आएगा।

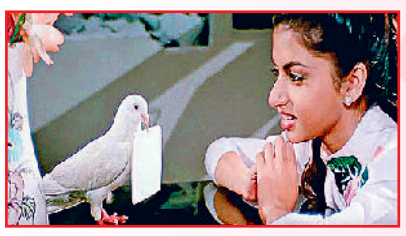

फिल्म 'मैंने प्यार किया' के गीत का एक दृश्य

सदियों से निभाते रहे हैं संदेशवाहक की भूमिकाः हालांकि यह ठीक-ठीक कहीं तथ्य के रूप में दर्ज नहीं है कि पहली बार कबूतरों को संदेशवाहकों के रूप में किस देश ने और कब प्रशिक्षित किया, लेकिन तीन हजार साल पहले के ऐतिहासिक दस्तावेजों को देखें तो मेसोपाटामिया, मिस्र और फारस में ऐसे साक्ष्य मिलते हैं कि लोग कबूतरों का इस्तेमाल निजी संदेश पाने और भेजने के लिए किया करते थे। प्राचीन मिस्र की चित्रलिपि 'हायरोग्लिफिक्स' में कबूतरों के ऐसे चित्र और उनके उल्लेख ईसा के 2900 वर्ष पूर्व के मौजूद हैं। इससे पता चलता है कि करीब 5000 साल पहले लोग कबूतरों का इस्तेमाल संदेश भेजने और पाने के लिए किया करते थे। मिस्र की तरह ही यूनान में भी करीब 2700 साल पहले ओलंपिक खेलों के विजेताओं की घोषणा करने के लिए एथेंस से दूसरे विभिन्न शहरों के लिए कबूतरों को खिलाड़ियों की सूची के साथ भेजा जाता था। माना जाता है कि करीब 1900 साल पहले जूलियस सीजर की सेना कबूतरों का सैन्य संदेश भेजने और पाने के लिए उपयोग करती थी। अगर भारत की बात करें तो मुगलों के दौर में खासकर अकबर और औरंगजेब कबूतरों के जरिए अपने मित्रों को संदेश भेजने और उनसे संदेश पाने के लिए किया करते थे। वे इन्हें हवाबाज कहते थे।

फिल्मों में भी किया इस्तेमालः बॉलीवुड फिल्म 'मैंने प्यार किया' में 'कबूतर जा जा जा..' जैसा गाना विशुद्ध रूप से किसी शायर की कल्पना नहीं बल्कि देश के कई हिस्सों में अभी भी निजी तौर पर कबूतरों के माध्यम से प्रेम संदेश भेजने की यह व्यवस्था बनी हुई है, लेकिन इनका कोई रिकॉर्ड नहीं रखा जाता।

आज भी किया जाता है उपयोगः ऐसी भी बात नहीं है कि पश्चिमी देश, जहां सारी आधुनिक कम्युनिकेशन तकनीक विकसित हुई है, वहां कबूतरों की खासियत कोई जानता ही न हो। सच तो यह है कि आज भी ब्रिटेन और अमेरिका की सेना में आपदा राहत अभियानों के दौरान दर्जनों प्रशिक्षित कबूतरों का इधर से उधर संदेश भेजने और पाने में इस्तेमाल किया जाता है। चीन में तो कुछ दशकों पहले तक इनकी बकायदा एक सैन्य टुकड़ी ही हुआ करती थी, जो पीपुल्स आर्मी को मदद करती थी। फ्रांस में भी कुछ पुरानी सैन्य ईकाईयों में आज भी इनका उपयोग होता है। *

नहीं भूल सकते वो प्यारे पल

{ एक्सप्रेशंस }

किसी से प्यार होना बहुत ही खूबसूरत अहसास है। पहली मुलाकात फिर दोस्ती, इसके बाद प्यार और शादी। इस सुहाने सफर में यादगार पल भी होते हैं। नामचीन टीवी आर्टिस्ट्स बयां कर रहे हैं अपने वो खूबसूरत अहसास। साथ में यह भी बता रहे हैं कि उन्हें अपने पार्टनर से कितना प्यार है?

दोस्ती सच्चे प्यार की नींव होती है राधिका मुथुकुमार

शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में वृंदा का किरदार निभा रहीं राधिका मुथुकुमार अपने जीवन में प्यार को बहुत महत्व देती हैं। जीवन साथी अभिषेक अय्यर से अपनी पहली मुलाकात, प्यार और शादी के बारे में वह मंद-मंद मुस्कुराते हुए बताती हैं, 'हमारी अभिषेक से पहली मुलाकात शादी से करीब एक साल पहले 2019 में मुंबई में हुई थी। हालांकि इससे पहले हम फोन पर और मैसेज के जरिए बात करते थे। मुलाकात के बाद धीरे-धीरे पहले दोस्ती हुई, यह दोस्ती प्यार में बदल गई। बाद में हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए। मुझे लगता है कि वैवाहिक रिश्ते में बंधने से पहले दोस्त बनना जरूरी है, क्योंकि सच्चे प्यार की नींव दोस्ती पर ही टिकती है।' अपने पार्टनर के साथ अपनी बॉन्डिंग और साथ बिताए खूबसूरत पलों के बारे में राधिका बताती हैं, 'मेरा अपने पार्टनर के साथ बिताया प्यार भरा कोई एक पल खास नहीं है, हमारे प्यार का हर पल खास है। मैं अपने प्यार के हर पल को दिल में सहेजकर रखती हूं। अभिषेक के साथ हमारा रिश्ता इसलिए मजबूत है, क्योंकि हमारे बीच गहरी दोस्ती है। हमारी दोस्ती में एक पारदर्शिता होती है। अभिषेक मेरी बहुत परवाह करते हैं, वह मुझसे बहुत ज्यादा प्यार करते हैं, मैं भी उन्हें बेइंतहा प्यार करती हूं।' *

नताशा मेरी सबसे बड़ी ताकत है : आदित्य रेडिज

सोनी सब चैनल के शो 'तेनाली रामा' में कृष्ण देव राय का रोल प्ले कर रहे आदित्य रेडिज की अपनी वैलेंटाइन नताशा शर्मा से पहली मुलाकात उनके पहले शो के प्रोड्यूसर के साथ मीटिंग के समय हुई थी। आदित्य बताते हैं, 'मैं जब प्रोड्यूसर के केबिन में दाखिल हुआ तो नताशा बैठी थी। उसकी मौजूदगी में कुछ तो ऐसा था, जो मुझे अपनी ओर खींच रहा था। किस्मत से हम दोनों उस शो के लीड कपल के तौर पर फाइनल हुए। वक्त के साथ हमने एक-दूसरे को समझा, इसके बाद हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए।' आदित्य आगे बताते हैं, 'जहां तक नताशा के साथ किसी यादगार लम्हे की बात है तो वो है, हमारे बेटे आर्यांश के जन्म का दिन। जब पहली बार मैंने और नताशा ने उसे एक साथ अपने हाथों में लिया। वो एहसास, वो खुशी हम दोनों के दिल में हमेशा बसी रहेगी। इस वैलेंटाइन-डे पर मैं नताशा से कहूंगा, वो सिर्फ मेरी पत्नी ही नहीं है, मेरी सबसे बड़ी ताकत और मार्गदर्शक भी है।' *

हमारा रिश्ता जादुई प्रेम कहानी जैसा है : आयुषी खुराना

जी टीवी के शो 'जाने अंजाने हम मिले' में रीत चौधरी का रोल निभा रहीं आयुषी खुराना और सूरज कक्कड़ की शादी को अभी कुछ ही महीने बीते हैं। सूरज से पहली मुलाकात और अपने रिश्ते के बारे में आयुषी बताती हैं, 'सूरज और मैं पहली बार एक एपिसोडिक शो के सेट पर मिले थे। शुरुआत में हमारे बीच हल्की-फुल्की नोक-झोंक, फ्लर्टिंग और मजाक-मस्ती होती रहती थी। लेकिन धीरे-धीरे हमारे गहरे रिश्ते बन गए और बाद में हमारी शादी हो गई। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो यह सच में एक जादुई प्रेम कहानी लगती है।' आयुषी अपने प्यार से जुड़े कुछ यादगार पल साझा करती हैं, 'हम एक गांव में शूटिंग कर रहे थे। सूरज को शेव करनी थी, लेकिन वहां आस-पास शीशा रखने या टिकाने की कोई जगह नहीं थी। तब मैंने उनके लिए शीशा पकड़ा। सूरज ने मुझसे कहा- जिस पल तुमने मेरे लिए वह शीशा पकड़ा, उसी पल मुझे तुमसे प्यार हो गया। सच, वह पल हमारे लिए बेहद खास था।' *

मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं : आशीष दीक्षित

सन नियो के लोकप्रिय शो 'छठी मैया की बिटिया' में कार्तिक का किरदार निभा रहे आशीष दीक्षित अपनी वैलेंटाइन श्वेता कनोजे से पहली मुलाकात को याद करते हुए बताते हैं, 'श्वेता से मेरी पहली मुलाकात बड़ौदा के राजवंत पैलेस में एक हॉरर फिल्म के सेट पर हुई थी। वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। मुंबई लौटने के बाद हमने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। करीब तीन साल तक एक-दूसरे को जानने-समझने के बाद हमें अहसास हुआ कि हमारा प्यार इतना मजबूत है कि हमें शादी कर लेनी चाहिए। अपनी पार्टनर के साथ किसी यादगार रोमांटिक मोमेंट के बारे में पूछने पर आशीष बताते हैं, 'मैं एक शो शूट कर रहा था। उस दौरान मुझे करीब चार-पांच दिन की छुट्टी मिली थी। मैंने और श्वेता ने सोचा कि इस समय को खास बनाया जाए, इसलिए हम गोवा घूमने चले गए। वहां बिताया हुआ हर पल अनोखा था! समंदर किनारे टहलना, कैंडल लाइट डिनर, रोमांटिक शामें और ढेर सारी मस्ती, न कोई टेंशन थी, न कोई भागदौड़... हर लम्हा बेहद खास था। सच कहूं, तो मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं।' *

सायक का साथ मेरे लिए अनमोल है : विदिशा श्रीवास्तव

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाबी जी घर पर हैं' में अनीता मिश्रा के रोल में दिख रहीं विदिशा श्रीवास्तव की अपने हमसफर सायक पॉल के साथ पहली मुलाकात शो के सेट पर ही हुई थी। विदिशा बताती हैं, 'पहले हमारे बीच सिर्फ हल्की-फुल्की बातें होती थीं, फिर बाद में यह बातचीत लंबी चलने लगी। हम एक-दूसरे की पसंद-नापसंद समझने लगे। हमारी सोच, हमारे विचार और जीवन को देखने का नजरिया काफी हद तक मिलता-जुलता था। जब भी हम साथ होते, सब कुछ बहुत खुशनुमा लगने लगता। यहीं से हमारी दोस्ती ने प्यार का खूबसूरत सफर तय करना शुरू कर दिया।'

अपनी लव-लाइफ के खूबसूरत मोमेंट्स को याद करती हुई विदिशा कहती हैं, 'जो लम्हा मेरे दिल के सबसे करीब है, वह मेरी बेटी के जन्म का है। जब मैं मां बनी, उस समय सायक पूरे समय मेरे साथ रहते थे। उस पल उनकी आंखों में जो प्यार और अपनत्व था, वह मैं कभी नहीं भूल सकती। मेरे हर दर्द, हर खुशी में उन्होंने मेरा हाथ थामे रखा। मैं खुशनसीब हूं कि मुझे सायक जैसा हमसफर मिला। उनका साथ मेरे लिए बहुत अनमोल है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

{ बड़ा पर्दा / कैलाश सिंह }

लव स्टोरीज के जिक्र के बिना हिंदी फिल्मों का ब्योरा अधूरा ही रहता है। शुरुआती दौर से अब तक ऐसी बेशुमार फिल्में बनती रही हैं। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें प्यार को बिल्कुल नए अंदाज में पेश किया गया। ऐसी ही पांच फिल्मों पर एक नजर।

5 ट्रेडिशनल लव स्टोरीज से इतर रोमांटिक फिल्में

दर्शकों को खूब भाया 'मनमर्जियां' का लव एंगल

एकतरफा प्यार पर बनी 'ऐ दिल है मुश्किल'

बॉलीवुड में प्यार और रोमांस पर आधारित जितनी फिल्में बनी हैं, उतनी किसी अन्य विषय पर नहीं बनीं। इनमें अधिकतर फिल्में प्रेम त्रिकोण पर, गरीब लड़का-अमीर लड़की या अमीर लड़का-गरीब लड़की, दो दुश्मन खानदानों के बच्चों के बीच प्रेम हो जाने जैसे विषयों के इर्द-गिर्द घूमती हैं। क्लासिकल प्रेम कथाओं जैसे, 'लैला-मजनू', 'सोनी-महिवाल', 'हीर-रांझा' आदि से इतर हाल के सालों में कुछ ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जो दर्शकों के मन में ठहर गई हैं।

पर्दे पर दिखते हैं प्यार के नए स्वरूपः बदलते वक्त के साथ फिल्म मेकर्स ने अपनी फिल्मों में प्यार को बदलते दौर के अनुसार प्रेजेंट करने का भी प्रयास किया है। आधुनिक फिल्मकार अलग-अलग तरह से प्रेम को परिभाषित कर रहे हैं। उनका ये एक्सपेरिमेंट इतना रियलिस्टिक होता है कि कई बार दर्शक फिल्म के कैरेक्टर्स में अपना ही अक्स देखने लग जाते हैं।

मैरिड लव का अलग एंगल दिखाती दम लगा के हईशाः साल 2015 में रिलीज फिल्म 'दम लगा के हईशा' में मैरिड रोमांस का एक अलग ही एंगल दिखाया गया है। प्रेम (आयुष्मान खुराना) एक स्कूल ड्रॉप आउट है, जिसकी एक उच्च शिक्षित लेकिन ओवरवेट लड़की संध्या (भूमि पेडनेकर) से शादी हो जाती है। प्रेम को अपनी मोटी पत्नी पर शर्म आती है और वह उस पर फब्तियां कसता रहता है। इससे दोनों एक-दूसरे के करीब नहीं आ पाते हैं, फिर भी दोनों एक दौड़ में साथ हिस्सा लेने के लिए तैयार हो जाते हैं और इसी कोशिश में वह एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं।

साधारण लेकिन अर्थपूर्ण कहानी के साथ निर्देशक शरत कटारिया ने शानदार काम किया है। भूमि और आयुष्मान ने भी अपने-अपने अभिनय से प्रभावित किया है।

मनमर्जियां में दिखा प्यार का नया विजनः अनुराग कश्यप की यह फिल्म उनकी बाकी फिल्मों से कई मायने में अलग है। साल 2018 में रिलीज हुई 'मनमर्जियां' वैसे तो परंपरागत प्रेम त्रिकोण पर ही आधारित है, लेकिन इसे नए युग की प्रेम कथा के तौर पर प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में मुख्य भूमिकाएं तापसी पन्नू, अभिषेक बच्चन और विक्की कौशल की हैं। फिल्म में प्रेम और संबंधों का एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, जो दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर जाता है। 'मनमर्जियां' उस उलझन और उन भावनाओं को व्यक्त करती है, जो प्रेम में पड़े एक व्यक्ति के सामने आती हैं। रूमी (तापसी पन्नू) और विक्की (विक्की कौशल) को एक-दूसरे से प्यार है, लेकिन जब शादी की बात आती है तो विक्की के हाथ-पैर फूल जाते हैं, वह जिम्मेदारी उठाने से बचता है और इस विषय को टाल जाता है। रूमी जीवन में सैटल होना चाहती है, लेकिन जब वह देखती है कि उसका प्रेम तार्किक मंजिल (शादी) पर नहीं पहुंचने वाला है, तो वह अपने प्रेम का त्याग कर देती है और रोबी (अभिषेक बच्चन) से अरेंज मैरेज करने के लिए तैयार हो जाती है। विक्की के बारे में जानने के बावजूद रोबी रूमी से प्यार करने लगता है। इसके बाद की कहानी इस बात को लेकर आगे चलती है कि ये तीनों अपने-अपने प्रेम का किस तरह से सामना करते हैं?

एकतरफा प्यार की कहानी ऐ दिल है मुश्किलः हममें से शायद ही कोई हो, जिसे अपने जीवन में कम से कम एक बार एकतरफा प्यार न हुआ हो। करण जौहर की साल 2016 में रिलीज 'ऐ दिल है मुश्किल' एक तरफा प्रेम पर ही आधारित फिल्म है। इसमें मुख्य भूमिकाएं रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा, ऐश्वर्या राय बच्चन और फवाद खान की हैं। अयान (रणबीर कपूर) की अलिजेह (अनुष्का शर्मा) से दोस्ती फिर उससे प्रेम हो जाता है, लेकिन अलिजेह प्यार का कोई जज्बा महसूस नहीं करती है। अयान अपने एक तरफा प्रेम का किस तरह से सामना करता है, यही कहानी का निचोड़ है। यह फिल्म हमें रुलाती है, हंसाती है और इसके पात्रों से हमें प्यार हो जाता है, क्योंकि उनमें हम अपना ही रूप देख रहे होते हैं।

प्यार-खुशी-दिल टूटने की कहानी बर्फीः अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म 'बर्फी' (2012) की कहानी इतनी सच्ची लगती है कि इसको जितनी बार भी देख लो दिल पिघल जाता है। यह फिल्म प्यार, खुशी और दिल टूटने से भरी हुई है। बर्फी (रणबीर कपूर) मूक-बधिर व्यक्ति है, जिसे श्रुति (इलियाना डिक्रूज) से प्यार हो जाता है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण श्रुति को किसी अन्य व्यक्ति से शादी करनी पड़ जाती है। वर्षों बाद श्रुति को मालूम होता है कि बर्फी, झिलमिल (प्रियंका चोपड़ा) से प्यार कर रहा है, जोकि एक ऑटिस्टिक लड़की है, तब वह अपने विवाह पर पुनःविचार करती है।

नॉनट्रेडिशनल-अट्रैक्टिव लव स्टोरी लुटेराः ओ हेनरी की कहानी 'द लास्ट लीफ' पर आधारित फिल्म 'लुटेरा' बनी है, जोकि बहुत परिपक्व प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। आत्मानंद त्रिपाठी (रणवीर सिंह) एक जालसाज है और पाखी (सोनाक्षी सिन्हा) एक जमींदार की बेटी है। कहानी इन दोनों के इर्द-गिर्द ही घूमती है। पाखी के साथ धोखाधड़ी होती है। पाखी पीड़ित होने के बावजूद जालसाज के प्रति आकर्षित होने लगती है। इस खामोश प्रेम को दोनों महसूस करते हैं, लेकिन इस प्यार की कोई मंजिल नहीं है। यह गैर-परंपरागत प्रेमकथा होने के बावजूद दर्शकों पर गहरा असर छोड़ती है। *